SarkariExam.com

03 अगस्त 2021

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया ई-रूपी प्लेटफॉर्म लॉन्च

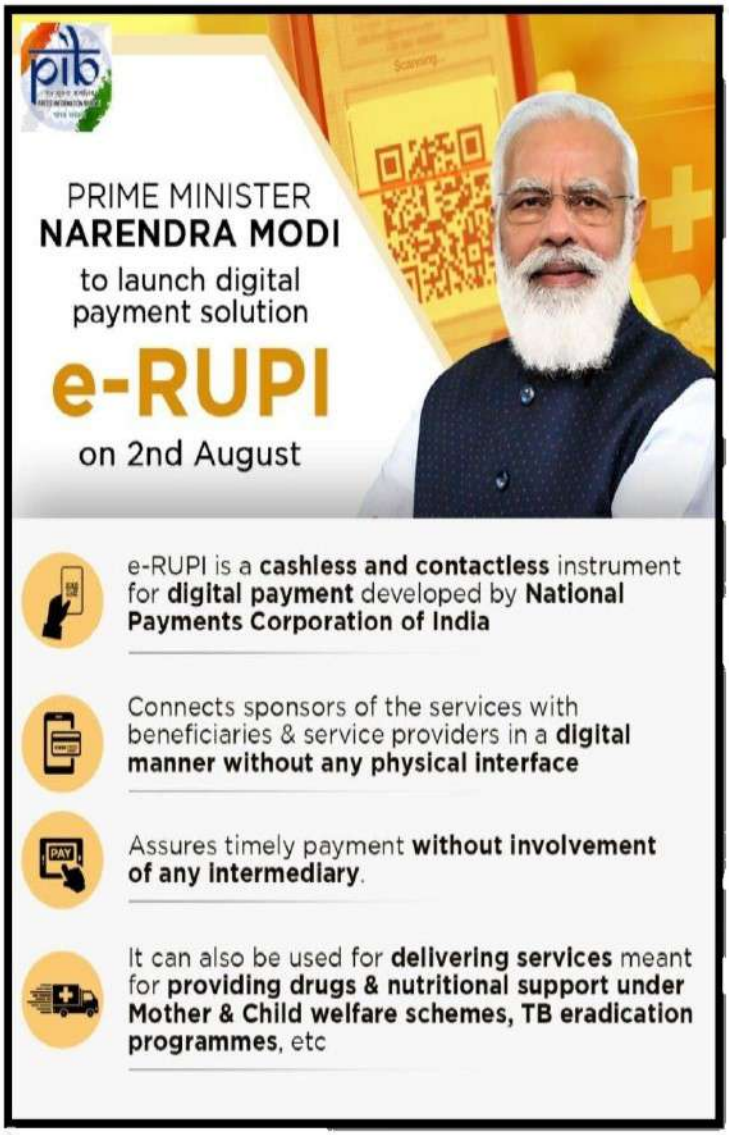

- 02 अगस्त, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी "e-RUPI Digital Payment Solution" लॉन्च किया है। e-RUPI एक ई-वाउचर-आधारित भुगतान समाधान है। सरकार और लाभार्थी के बीच संपर्क को सीमित करने के लिए e-RUPI पहल शुरू की गई। प्लेटफ़ॉर्म यह भी सुनिश्चित करेगा कि लाभ लक्षित और लीक-प्रूफ तरीके से अपने इच्छित लाभार्थियों तक पहुँचे।
- e-RUPI एकमुश्त भुगतान तंत्र है जो यूजर्स को कार्ड, डिजिटल भुगतान एप्प या इंटरनेट बैंकिंग एक्सेस का उपयोग किए बिना वाउचर को भुनाने की अनुमति देगा।

e-RUPI प्लेटफॉर्म

- नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने अपने UPI प्लेटफॉर्म पर e-RUPI प्लेटफॉर्म विकसित किया है। इसे वित्तीय सेवा विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से लॉन्च किया गया है। कल्याण सेवाओं की लीक-प्रूफ डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए इस प्लेटफॉर्म को लॉन्च किया गया है।
- इस प्लेटफार्म का उपयोग आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, उर्वरक सब्सिडी और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम जैसी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया जायेगा। निजी क्षेत्र भी अपने कर्मचारी कल्याण और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रमों के तहत इन डिजिटल वाउचर का लाभ उठा सकते हैं।

e-RUPI

- e-RUPI लाभार्थियों के मोबाइल फोन पर SMS-स्ट्रिंग या एक क्यूआर कोड के माध्यम से

SarkariExam.com

वितरित किया जाएगा। यह प्रीपेड गिफ्ट-वाउचर की तरह होगा जिसे बिना किसी क्रेडिट या डेबिट कार्ड, मोबाइल एप्प या इंटरनेट के स्वीकार करने वाले केंद्रों पर भुनाया (redeem) जा सकता है।

- यह सेवाओं के प्रायोजकों को लाभार्थियों और सेवा प्रदाताओं के साथ बिना किसी भौतिक इंटरफेस के डिजिटल रूप से जोड़ेगा।

2. भारत-बांग्लादेश के बीच शुरू हुआ हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेल मार्ग

- 01 अगस्त, 2021 से भारत और बांग्लादेश ने हल्दीबाड़ी चिलाहाटी रेल मार्ग के माध्यम से मालगाड़ियों का नियमित रूप से संचालन शुरू किया है। भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के दमदीम स्टेशन से पहली मालगाड़ी को बांग्लादेश के लिए रवाना किया है। 1947 में विभाजन के बाद भारत और तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (1965 तक) के बीच 07 रेल लिंक चालू थे। वर्तमान में भारत और बांग्लादेश के बीच चार परिचालन रेल लिंक है। इसे दोनों देशों के मध्य व्यावसायिक जुड़ाव की एक और शुरुआत माना जा रहा है।
- हल्दीबाड़ी चिलाहाटी रेल लिंक का उद्घाटन दिसंबर, 2020 में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की पीएम हसीना के बीच एक आभासी शिखर सम्मेलन के दौरान किया गया था। भारत और बांग्लादेश दोनों का लक्ष्य वर्ष 1965 से पहले की सभी रेल संपर्कों को फिर से शुरू करना है।

3. भारत के आठ प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादन में हुई 8.9 प्रतिशत की वृद्धि

- जून, 2021 में 'बेस इफेक्ट' के कारण भारत के आठ प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादन में 8.9% की वृद्धि हुई, लेकिन इसकी गति कोविड-19 महामारी के साथ-साथ इसकी दूसरी लहर से पहले दर्ज किये गए उत्पादन स्तर से नीचे रही।

❑ **आठ प्रमुख क्षेत्र**

- इनमें औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में शामिल मदों के भार का 40.27 प्रतिशत शामिल है। आठ प्रमुख उद्योग क्षेत्र उनके भार के घटते क्रम में :- रिफाइनरी उत्पाद > बिजली > स्टील > कोयला > कच्चा तेल > प्राकृतिक गैस > सीमेंट > उर्वरक।

❑ **बेस इफेक्ट**

- 'बेस इफेक्ट' उस प्रभाव को संदर्भित करता है जो विभिन्न आँकड़ों के बीच तुलना के परिणाम या संदर्भ के आधार पर हो सकता है। उदाहरण के लिए यदि तुलना हेतु चुने गए बिंदु का वर्तमान अवधि या समग्र डेटा के सापेक्ष असामान्य रूप से उच्च या निम्न मूल्य है तो 'बेस इफेक्ट' से मुद्रास्फीति दर या आर्थिक विकास दर जैसे आँकड़ों का स्पष्ट रूप से कम या अधिक विवरण हो सकता है।
- जून, 2021 में कोयला, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, स्टील, सीमेंट और बिजली का उत्पादन क्रमशः 7.4%, 20.6%, 2.4%, 25%, 4.3% और 7.2% बढ़ा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में इसकी दर (-) 15.5%, (-) 12%, (-) 8.9%, (-) 23.2%, (-) 6.8% और (-) 10% रही।

❑ **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)**

- IIP एकमात्र संकेतक है जो एक निश्चित अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादों के उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन को मापता है। यह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।
- यह एक समग्र संकेतक है जो निम्न वर्गीकृत उद्योग समूहों की विकास दर को मापता है: व्यापक क्षेत्र अर्थात् खनन, विनिर्माण और बिजली। IIP के लिए आधार वर्ष 2011-2012 है।

4. गिलगित-बाल्टिस्तान को 'अस्थायी प्रांतीय दर्जा' देने की जा रही है तैयारी

- हाल ही में पाकिस्तानी अधिकारियों ने रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण 'गिलगित-बाल्टिस्तान' को अनंतिम प्रांतीय दर्जा देने के लिए एक कानून (26वें संविधान संशोधन विधेयक) को अंतिम रूप दिया है। गिलगित-बाल्टिस्तान अब एक स्वायत्त क्षेत्र है और विधेयक पारित होने के बाद यह देश का 5वाँ प्रांत बन जाएगा।
- वर्तमान समय में पाकिस्तान में चार प्रांत हैं, बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और सिंध। वर्तमान में यह अधिकांशतः कार्यकारी आदेशों द्वारा शासित है। वर्ष 2009 तक इस क्षेत्र को केवल उत्तरी क्षेत्र कहा जाता था।
- इसे वर्तमान नाम गिलगित-बाल्टिस्तान (सशक्तीकरण और स्व-शासन) आदेश, 2009 के लागू होने के साथ मिला, जिसने उत्तरी क्षेत्र विधानपरिषद को विधानसभा में बदल दिया।

❑ **गिलगित-बाल्टिस्तान को प्रांत बनाने का कारण**

SarkariExam.com

- गिलगित-बाल्टिस्तान पाकिस्तान द्वारा प्रशासित सबसे उत्तरी क्षेत्र है। यह पाकिस्तान की एकमात्र प्रादेशिक सीमा है तथा चीन के साथ एक स्थल मार्ग है।
- गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र 65 अरब अमेरिकी डॉलर की चीन-पाक आर्थिक गलियारा (CPEC) अवसंरचना विकास योजना का केंद्र बिंदु है। CPEC ने इस क्षेत्र को दोनों देशों के लिए महत्त्वपूर्ण बना दिया है। CPEC जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित ग्वादर पोर्ट को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ता है, चीन की महत्त्वाकांक्षी बहु-अरब डॉलर की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) की प्रमुख परियोजना है।
- भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर कुछ विशेषज्ञ यह दावा भी प्रस्तुत करते हैं कि पाकिस्तान का यह निर्णय 5 अगस्त, 2019 को किए गए जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद भारत द्वारा अपना दावा प्रस्तुत करने के कारण भी हो सकता है।

भारत का मत

- भारत का कहना है कि पाकिस्तान की सरकार या उसकी न्यायपालिका का अवैध रूप से उसके द्वारा जबरन कब्ज़ा किए गए क्षेत्रों पर कोई अधिकार नहीं है। भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश, जिसमें गिलगित और बाल्टिस्तान के क्षेत्र भी शामिल हैं, पूरी तरह से कानूनी व अपरिवर्तनीय परिग्रहण के आधार पर भारत का अभिन्न अंग हैं। CPEC को लेकर भारत ने चीन के सामने विरोध जताया है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर से गुज़रता है।

गिलगित-बाल्टिस्तान विवाद की पृष्ठभूमि

- इस क्षेत्र पर भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर की पूर्ववर्ती रियासत के हिस्से के रूप में दावा किया जाता है, क्योंकि यह वर्ष 1947 में जम्मू-कश्मीर के भारत में प्रवेश के समय अस्तित्व में था।
- जम्मू-कश्मीर के अंतिम डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह ने 26 अक्तूबर, 1947 को भारत के साथ 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' पर हस्ताक्षर किए थे। हालाँकि 04 नवंबर, 1947 को कबायली हमलावरों और पाकिस्तानी सेना द्वारा कश्मीर पर किए गए आक्रमण के बाद से यह क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण में है।
- इसके पश्चात् भारत ने 01 जनवरी, 1948 को पाकिस्तानी आक्रमण के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समक्ष उठाया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर से बाहर जाने और भारत से अपनी सेना को न्यूनतम स्तर तक कम करने का आह्वान किया गया, इसके पश्चात् लोगों का मत जानने के लिए जनमत संग्रह का प्रावधान किया गया था। हालाँकि दोनों ही देशों द्वारा वापसी नहीं की गई, जो कि दोनों देशों के बीच विवाद का विषय बना हुआ है।

गिलगित-बाल्टिस्तान

- गिलगित-बाल्टिस्तान भारत के विवादित क्षेत्रों में से एक है। यह केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के उत्तर-पश्चिम में स्थित अत्यधिक ऊँचाई वाला एक पहाड़ी क्षेत्र है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के साथ सीमा साझा करने के कारण इसे रणनीतिक रूप से काफी महत्त्वपूर्ण माना जाता है।

SarkariExam.com

5. दीपक दास ने किया लेखा महानियंत्रक का पदभार ग्रहण

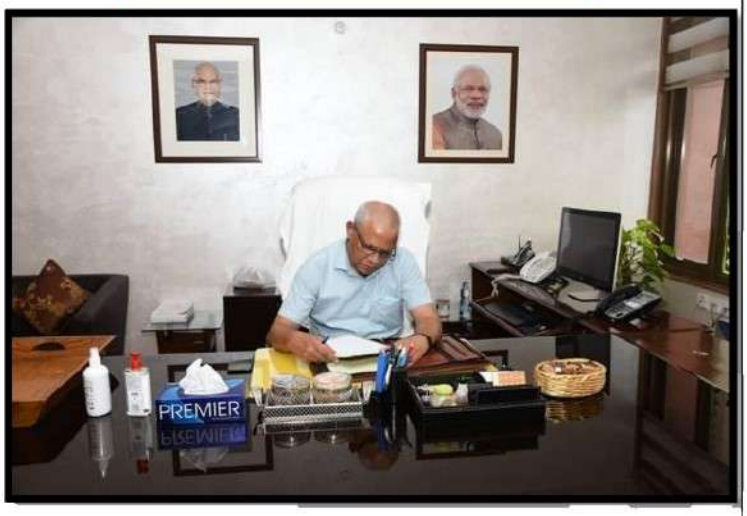

- 01 अगस्त, 2021 को दीपक दास ने लेखा महानियंत्रक (Controller General of Accounts- CGA) के रूप में पदभार ग्रहण किया है।
- लेखा महानियंत्रक का कार्यभार संभालने से पहले, श्री दास ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (Central Board of Direct Taxes - CBDT) में प्रधान मुख्य लेखा नियंत्रक (Principal Chief Controller of Accounts) के रूप में कार्य किया। 1986 बैच के भारतीय सिविल लेखा सेवा अधिकारी दीपक दास, CGA का पद संभालने वाले 25वें अधिकारी हैं।

❑ **लेखा महानियंत्रक (CGA)**

- CGA सरकार का खाता रक्षक है और संविधान के अनुच्छेद 150 (Article 150) से अपना जनादेश प्राप्त करता है। यह मासिक खातों को समेकित करने के अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के साथ केंद्र के नकद शेष को समेटता है; राजस्व वसूली और व्यय के साथ-साथ केंद्र सरकार के वार्षिक खातों के रुझान तैयार करना।

6. 100% टीकाकरण करने वाला देश का पहला शहर बना भुवनेश्वर

- ओडिशा का भुवनेश्वर शहर 100% वैक्सीनेशन करने वाला देश का पहला शहर बन गया है। यहाँ 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को वैक्सीन के दोनों डोज लग चुके हैं। साउथ ईस्ट भुवनेश्वर के डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर अंशुमान रथ ने ANI को बताया कि हमने लगातार वैक्सीनेशन ड्राइव चलाई। 100% वैक्सीनेशन का लक्ष्य पहले ही तय कर लिया गया था।
- रिकॉर्ड के मुताबिक भुवनेश्वर में 18 साल से ज्यादा उम्र के 9 लाख लोग हैं। इनमें 31 हजार हेल्थ केयर वर्कर, 33 हजार फ्रंट लाइन वर्कर हैं। 5 लाख 17 हजार लोगों की उम्र 18 से 44 साल के बीच है। 3 लाख 25 हजार लोग 45 साल से ज्यादा उम्र के हैं। सभी का टीकाकरण हो चुका है।

- अंशुमान रथ के मुताबिक भुवनेश्वर में अब तक 18 लाख 16 हजार वैक्सीन डोज लगाए गए हैं। ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है, जिन्हें एक भी डोज नहीं लगा है। इसके अलग-अलग कारण हैं। जैसे कुछ लोग पास के जिलों से यहां काम करने आते हैं। गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन का डोज देने पर रथ ने बताया कि उन्हें पहला डोज दिया जा चुका है।

7. विश्व मास्टर्स स्वर्ण पदक विजेता मान कौर का हुआ निधन

- हाल ही में दुनियाभर में देश का नाम रोशन करने वाली इंटरनेशनल मास्टर एथलीट मान कौर का 105 साल की उम्र में निधन हो गया। मास्टर एथलीट मान कौर कोविड-19 से पहले तक लगातार मेडल जीतकर वह तिरंगे की शान बढ़ाती रही थी।

❑ **नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित**

- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वर्ष 2019 में उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया था। राष्ट्रपति भवन में सम्मान लेने के लिए मान कौर जिस फूर्ती से स्टेज पर पहुंचीं थी, उसे देखकर राष्ट्रपति भी हैरान हो गए थे। वहीं, प्रधानमंत्री आवास पर एक मुलाकात के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी उनकी फिटनेस देखकर उनके आगे दोनों हाथ जोड़कर खड़े हो गए थे। वह देश दुनिया के एथलीटस के लिए प्रेरणा स्त्रोत थी।

❑ **मान कौर की उपलब्धियां**

- मास्टर एथलीट मान कौर तब सुर्खियों में आई थी जब उन्होंने 102 साल की उम्र में न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 100 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड मेडल जीता था। इसी साल उन्होंने ऑकलैंड में स्काई टॉवर पर 'स्काई वॉक' कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था, उस समय उनकी उम्र 102 साल की थी।
- यह स्काई टॉवर शहर से 192 मीटर की ऊंचाई पर था। इस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने में उनके बेटे गुरदेव सिंह ने उनका साथ दिया था। मान ने अपने बेटे का हाथ पकड़कर यह 'स्काई वॉक' की थी।
- इस वजह से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी उनका नाम दर्ज हुआ था। अपने इसी हौसले और जुनून की वजह से वह फिटनेस का प्रतीक बन गई थी।
- मास्टर एथलीट मान कौर ने वर्ष 2019 पोलैंड में संपन्न हुई वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स (WMA) प्रतियोगिता में चार गोल्ड मेडल हासिल किए थे। इसी वर्ष 2018 स्पेन में आयोजित हुए मास्टर्स मुकाबलों में जेवलिन थ्रो व 200 मीटर दौड़ मुकाबले में दो गोल्ड मेडल जीते थे।
- वर्ष 2017 में भारत में हुई वर्ल्ड मास्टर गेम्स में 100 मीटर रेस व जेवलिन थ्रो में रिकॉर्ड तोड़ा। वर्ष 2016 में उन्होंने 100 वर्ष के उम्र वर्ग में अमेरिका मास्टर गेम्स में 4 गोल्ड मेडल हासिल किए।
- साल 2013 में हंट्समैन वर्ल्ड सीनियर गेम्स में पांच गोल्ड मेडल हासिल करके जेवलिन थ्रो व

शॉटपुट का रिकॉर्ड तोड़ा। कनाडा मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पांच गोल्ड जीते। ताइवान में 2012 में हुई एशियन मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान 100 मीटर दौड़ में उन्होंने एक गोल्ड मेडल हासिल किया।

- उससे पहले 2011 में अमेरिका में खेलते हुए उन्होंने वर्ल्ड मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 व 200 मीटर दौड़ मुकाबले में दो गोल्ड मेडल हासिल करके एथलीट ऑफ द ईयर का खिताब हासिल किया था।

8. भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक सेमीफाइनल में प्रवेश करके रचा इतिहास

- 02 अगस्त, 2021 को भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहली बार ओलंपिक खेलों के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर इतिहास रच दिया है। 2 अगस्त को खेले गए मैच में भारत ने तीन बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार जीत दर्ज और एक गोल से ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।
- महिला मैच के दौरान, ड्रैग-फ्लिकर गुरजीत कौर ने 22 वें मिनट में एकमात्र पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर लिया। भारतीय महिला टीम का नेतृत्व रानी रामपाल कर रही हैं। अब 4 अगस्त को सेमीफाइनल में भारतीय टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगी।
- इससे पहले 01 अगस्त भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी 49 साल के अंतराल के बाद ओलंपिक सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का मुक़ाबला आज बेल्जियम के साथ होगा।
- ओलंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1980 के मास्को खेलों के से सबसे बेहतर है, उस प्रतियोगिता में भारतीय टीम 6 टीमों में से चौथे स्थान पर रही थी। खेलों के उस संस्करण से महिला हॉकी ने ओलंपिक में अपनी शुरुआत की। वह स्पर्धा राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेली गयी थी जिसमें शीर्ष दो टीमों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

महिला फील्ड हॉकी टूर्नामेंट

- 2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में महिला फील्ड हॉकी टूर्नामेंट खेलों में महिलाओं के लिए फील्ड हॉकी प्रतियोगिता का 11वां संस्करण है। हॉकी का आयोजन 24 जुलाई से 6 अगस्त, 2021 तक होगा। सभी हॉकी खेल जापान के टोक्यो में ओई हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।
- यह खेल मूल रूप से 25 जुलाई से 7 अगस्त 2020 तक आयोजित होने वाला था। लेकिन COVID-19 महामारी के कारण ओलंपिक को 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। इस साल खेल बंद दरवाजों के पीछे खेले जा रहे हैं।

9. ऑस्ट्रेलिया ने 14 कलाकृतियाँ भारत को लौटाने की घोषणा

- हाल ही में 'नेशनल गैलरी ऑफ ऑस्ट्रेलिया' ने अपने एशियाई कला संग्रह से 14 कलाकृतियाँ भारत को वापस लौटाने की घोषणा की है। इनमें कांस्य या पत्थर की मूर्तियाँ, चित्रित स्क्रॉल और कुछ तस्वीरें शामिल हैं। इससे तमिलनाडु को 12वीं सदी के दो चोल-युग के दो कांस्य प्रतिमाएँ प्राप्त होंगी, जिन्हें तमिलनाडु के मंदिरों से चुराया गया था।
- इसके पश्चात् इन कलाकृतियों के मूल स्थान की पहचान करने के लिये भारत में और अधिक शोध किया जाएगा। 'नेशनल गैलरी ऑफ ऑस्ट्रेलिया' ने एक नया 'उद्गम मूल्यांकन फ्रेमवर्क' निर्धारित किया है, जो ऐतिहासिक कलाकृतियों के कानूनी और नैतिक दोनों पहलुओं के बारे में उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करता है।
- इस फ्रेमवर्क के आधार पर यह माना जाता है कि यदि वह वस्तु चोरी की है, अवैध रूप से प्राप्त की गई थी, किसी अन्य देश के कानून के उल्लंघन कर निर्यात की गई थी या अनैतिक रूप से अर्जित की गई थी तो 'नेशनल गैलरी ऑफ ऑस्ट्रेलिया' द्वारा उसे उद्गम देश को वापस लौटा दिया जाएगा।

संत सांबंदर (Sambandar)

- हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय गैलरी (NGA) द्वारा अपने एशियाई कला संग्रह से संत सांबंदर की मूर्ति सहित 14 कला-कृतियाँ भारत को लौटने की घोषणा की गई है। नृत्य मुद्रा में बाल संत सांबंदर की यह प्रतिमा 12 वीं शताब्दी के चोल वंश से संबंधित है।
- सांबंदर, दक्षिण भारत में सक्रिय तिरेसठ नयनार संतों में से एक थे। इन संतों ने भक्ति कविता और गीतों के माध्यम से शिव की आराधना को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

2014 में ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने पीएम मोदी को सौंपी थी नटराज 'मूर्ति'

- इससे पहले 2014 में ऑस्ट्रेलिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने एक समारोह में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 900 साल पुरानी कांस्य की नृत्य वाली शिव प्रतिमा सौंपी थी, जिसे नेशनल संग्रहालय ने 6 साल पहले कपूर से 5.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में खरीदा था।
- 11वीं सदी की चोला काँसे की इस नटराज की मूर्ति को नेशनल गैलरी ने 2008 में कपूर से 50 लाख अमेरिकी डॉलर में खरीदा था। जब भारतीय पुलिस द्वारा 2012 में कपूर को जर्मनी से गिरफ्तार कर भारत लाया गया, तब उसकी चुराई गई कलाकृतियों में शिव की नृत्य वाली इस मूर्ति को भी सूचीबद्ध किया गया था।

10. ओडिशा तेंदुओं की करेगा डीएनए प्रोफाइलिंग

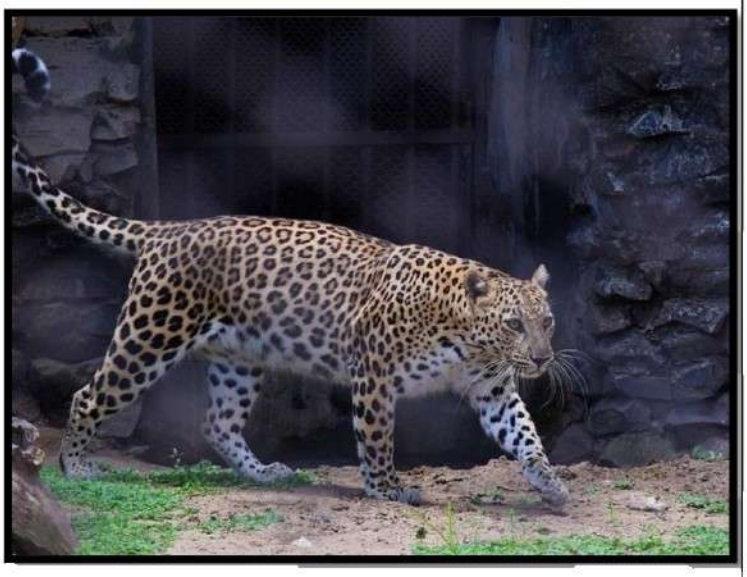

- हाल ही में ओडिशा के 'वन और पर्यावरण विभाग' के वन्यजीव संगठन ने राज्य में तेंदुओं की डीएनए प्रोफाइलिंग करने का निर्णय किया है। तेंदुओं की यह डीएनए प्रोफाइलिंग ओडिशा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी (OUAT) के सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ हेल्थ (CWH) के सहयोग से की जाएगी।
- इस पहल के हिस्से के रूप में उन क्षेत्रों की पहचान की जाएगी, जहाँ तेंदुए पाए जाते हैं। इन क्षेत्रों से उनके नमूने एकत्र किये जाएंगे, जिन्हें डीएनए प्रोफाइलिंग के लिये सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ हेल्थ में भेजा जाएगा। यह पहल शिकारियों और व्यापारियों से ज़ब्त किये गए जानवरों की त्वचा और अन्य अंगों के अवशेषों के माध्यम से तेंदुओं के बारे में जानने में मदद करेगी।
- यह प्रणाली वन्यजीव अपराधों, विशेष रूप से तेंदुओं के अवैध शिकार के विरुद्ध लड़ाई में सहायक होगी। वर्ष 2018 तक ओडिशा में तेंदुओं की आबादी लगभग 760 थी। तेंदुओं को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत अनुसूची-I में शामिल किया गया है।

DNA प्रोफाइलिंग?

- सरलतम शब्दों में कहा जाए तो किसी व्यक्ति की फॉरेंसिक पहचान करने के काम को DNA प्रोफाइलिंग कहा जाता है। इसके लिये किसी व्यक्ति के त्वचा, लार, रक्त या बाल जैसे जैविक नमूने लेकर DNA प्रोफाइलिंग का काम किया जाता है।
- यह ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्ति अथवा उसके ऊतक (Tissue) के नमूने से एक विशेष DNA पैटर्न (जिसे प्रोफाइल कहा जाता है) लिया जाता है। लगभग शत-प्रतिशत (99.9%) DNA अनुक्रम सभी व्यक्तियों में एक जैसा होता है। केवल 0.1% अंतर की वज़ह से प्रत्येक मनुष्य का DNA एक-दूसरे से अलग होता है और इसी आधार पर किसी व्यक्ति की पहचान की जा सकती है।